

बैंक ने सरकार प्रायोजित विभिन्न योजनाओं, जैसे कि प्रधान मंत्री रोजगार गारंटी कार्यक्रम (पीएमईजीपी), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) और डायरी उद्यमिता विकास योजना (डीईडीएस) में सक्रिय रूप से भाग लिया। कुडुम्बश्री, एससी / एसटी कॉर्पोरेशन, एम्प्लॉयमेंट एक्सचेंज (केईएसआरयू / एसईएसआरयू), एनआरएलएम/ एनयूएलएम, मुद्रा स्कीम, एनएसकेएफडीसी, एनएसएफडीसी, वीएफपीसीके आदि द्वारा सिफारिश की गई योजनाओं के तहत बैंक ने वित्तीय सहायता दी है।

एनआरएलएम/एनयूएलएम के तहत 15890 खातों में बकाया राशि 572.41 करोड़ रुपये है।

सरकार प्रायोजित विभिन्न योजनाएँ के तहत बकाया राशि 31-03-2021 तक इस प्रकार है।

योजना का नाम	खातों की संख्या	बकाया राशि (लाख में रुपये)
पीएमईजीपी	901	3387.58
एसजीएसवाई	724	256.03
डीआरआई	279	17.50
कुडुम्बश्री	11304	21483.22
एससी / एसटी निगम योजनाएं	117	161.82
केईएसआरयू/ एसईएसआरयू	210	128.00
मुद्रा	200951	217226.41
एनआरएलएम / एनयूएलएम	15890	57241.83

मार्च 2021 तक महिला लाभार्थियों को अग्रिम 690875 लाख रुपये है जो सकल अग्रिम का 37.43% है। मार्च 2021 तक, एससी / एसटी लाभार्थियों को बैंक का अग्रिम 41715.55 लाख रुपये तक पहुंच गया, जिसमें 57329 उधारकर्ता शामिल थे।

कमजोर वर्गों के लिए अग्रिम राशि 13853.04 करोड़ रुपये तक बढ़ा, जो कुल अग्रिम राशि का 75.06% है।

मार्च 2021 तक कमजोर सेक्टर अग्रिम राशि के विभिन्न घटक निम्नानुसार हैं:

सेक्टर	बकाया	
	संख्या	लाख में राशि
छोटे और सीमांत किसान, भूमिहीन मजदूर, किरायेदार किसान और शेयर क्रॉपर्स	1021956	979009.09
कारीगर, ग्रामीण और कुटीर उद्योग	11356	1620.32
एससी / एसटी लाभार्थी	57329	41715.55
एसजीएसवाई लाभार्थी	724	256.03
एसजेएसआरवाय के लाभार्थी	2	1.24
एसएचजी/एनजीओ /एमएफआई	43729	84233.55
जेएलजी	7985	12828.70
सफ़ाई कर्मचारी	27	9.32
बुनकर अनुभाग	82	27.96

The Bank actively participated in various Government Sponsored Schemes, such as, Prime Minister Employment Guarantee Programme (PMEGP), National Rural Livelihood mission (NRLM) and Diary Entrepreneurship Development Scheme (DEDS). Bank extended financial assistance under schemes recommended by Kudumbasree, SC/ST Corporation, Employment Scheme (KESRU/SESRU), NRLM/NULM, MUDRA schemes, NSKFDC, NSFDC, VFPC etc. Outstanding under NRLM/NULM is Rs.572.41 crores in 15890 accounts. Balance Outstanding under various Govt. Sponsored Schemes as on 31-03-2021 is as follows.

Name of the Scheme	No of A/cs	Amount O/s (Rs in lakhs)
PMEGP	901	3387.58
SGSY	724	256.03
DRI	279	17.50
Kudumbasree	11304	21483.22
SC/ST Corporation Schemes	117	161.82
KESRU/SESRU	210	128.00
MUDRA	200951	217226.41
NRLM/NULM	15890	57241.83

The advances to women beneficiaries as on March 2021 is Rs.690875 Lakhs which is 37.43 % of the gross advance. As at March 2021, the Bank's Advances to SC/ST beneficiaries reached Rs.41715.55 lakhs, covering 57329 borrowers. Advances to weaker sections increased to Rs. 13853.04 crore, which constitutes 75.06% of total advances. Various components of Weaker Sections Advances as at March 2021 are as under:

SECTORS	OUTSTANDING	
	No	Amt. in Rs. lakhs
Small & Marginal farmers, Landless Labourers, Tenant Farmers and Share croppers	1021956	979009.09
Artisans, village and cottage industries	11356	1620.32
SC/ST Beneficiaries	57329	41715.55
SGSY Beneficiaries	724	256.03
SJSRY Beneficiaries	2	1.24
SHGs/NGOs/ MFIs	43729	84233.55
JLG	7985	12828.70
Safai Karmacharis	27	9.32
Weaver section	82	27.96



एमएसएमई को उधार देना

माइक्रो, स्माल और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को दिया गया अग्रिम राशि मार्च 2021 तक 1343.26 करोड़ रुपये तक पहुंचा। बैंक ने सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) की क्रेडिट गारंटी योजना के तहत मार्च 2021 तक 92.16 करोड़ रुपये की अनावृत्ति के साथ 3752 खातों को आवृत किया। हम मुद्रा योजना के तहत 175710 खातों में 2221.96 करोड़ रुपये की राशि वितरित कर सके।

खुदरा उधार का परिचालन

वर्ष के दौरान क्रेडिट विस्तार के लिए रिटेल क्रेडिट फोकस में बना रहा और बैंक ने कई उपायों की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य आवास लोन, व्यक्तिगत वाहन लोन और मुद्रा योजना के तहत लोन को अधिक बढ़ाना था। बैंक वर्ष के दौरान हाउसिंग लोन के तहत 6905 लाभार्थियों को कवर करते हुए 413.42 करोड़ रुपये को मंजूरी दे सकता है। इस वर्ष 5115 व्यक्तिगत वाहन लोन के तहत 160.68 करोड़ रुपये का वितरण किया गया जो एक और उपलब्धि थी।

कुल अग्रिम राशि में से, खुदरा उधार का हिस्सा 116103 खातों में 4210.37 करोड़ रुपये हैं। हाउसिंग लोन पोर्टफोलियो के तहत बकाया 3090.89 करोड़ रुपये तक बढ़ा, जो कुल खुदरा उधार पोर्टफोलियो का 73.41% है। क्रेडिट के शीघ्र और परेशानी मुक्त वितरण को सुनिश्चित करने के लिए वाहन और हाउसिंग लोन के लिए मानदंड को युक्तिसंगत बनाया गया था। वाहन और हाउसिंग लोन एनआरआई ग्राहकों के लिए भी बढ़ाए गयी थी।

कोविड-19 राहत के उपाय

1. महामारी के दौरान बैंक के ग्राहकों की सहायता करने के लिए, बैंक ने विभिन्न योजनाएं प्रारंभ कीं जिनमें आरबीआई द्वारा घोषित रिसोल्यूशन फ्रेमवर्क -1.0 शामिल है।
2. भारतीय रिजर्व बैंक की अनुमति के अनुसार पात्र उधारकर्ताओं को वन टाइम रिस्ट्रक्चरिंग सुविधा प्रदान की गई थी।
3. आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना और पीएमएसवीए निधि लागू की गई।
4. स्वयं सहायता समूहों के लिए विशेष ऋण योजना।

नई योजनाएं

वित्तीय वर्ष के दौरान ग्रामीण आसान ऋण, कृषि अवसंरचना निधि ऋण, नाबार्ड प्रायोजित योजनाएं जैसे वाडी और वाटर शेड परियोजना, एमएसएमई के तहत नवजीवन योजना, केजीबी सुवर्णा आदि जैसे कई नए उत्पाद पेश किए।

निधि और निवेश संचालन

पिछले वर्ष के 4766.10 करोड़ रुपये की तुलना में मार्च 2021 तक बैंक का कुल निवेश 6322.66 करोड़ रुपये था। 31/03/2021 तक एसएलआर निवेश 4409.22 करोड़ रुपये है और 31.03.2020 तक यह 3490.31 करोड़ रुपये था। 31/03/2021 को बैंक के निवेश पर उपज पिछले वर्ष के 6.97% की तुलना में 6.36% है।

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान निवेश से ब्याज आय 383.77 करोड़ रुपये है, जबकि 2019-20 के दौरान यह 300.30 करोड़ रुपये थी।

बैंकअश्योरेंस और तृतीय पक्ष उत्पादनो की क्रॉस बिक्री

बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के तहत बैंक एक कॉरपोरेट एजेंट के रूप में जीवन, सामान्य और स्वास्थ्य बीमा का आग्रह कर रहा है। बैंक के बैंकअश्योरेंस सहयोगियों में शामिल हैं:

MSME LENDING

Advances to Micro, Small and Medium Enterprises (MSMEs) reached Rs.1343.26 crore as at March 2021. The Bank has covered 3752 accounts with an exposure of Rs.92.16 crores under the Credit Guarantee Scheme of Credit Guarantee Fund Trust for Micro and Small Enterprises (CGTMSE) as at March 2021. We could disburse an amount of Rs.2221.96 crores in 175710 accounts under MUDRA scheme.

Retail lending Operations

Retail Credit continued to be the focus for credit expansion during the year and the Bank initiated several measures, aimed at augmenting lending under Housing Loans, Personal Vehicle Loans. Bank could disburse Rs.413.42 Crore covering 6905 beneficiaries under Housing Loans, during the year. Rs.160.68 crore disbursed under 5115 Personal Vehicle Loan was another achievement this year.

Out of total advances, share of retail lending is Rs.4210.37 crore in 116103 accounts. The outstanding under housing loan portfolio increased to Rs.3090.89 crore, constituting 73.41 % of the total retail lending portfolio. Norms for vehicle and housing loans were rationalized to ensure speedy and hassle-free dispensation of credit. Vehicle and Housing loans were extended to NRI customers also.

Covid-19 Relief Measures

1. To support Bank's customers during pandemic, Bank introduced various schemes which includes Resolution Framework -1.0 as announced by RBI.
2. One Time restructuring facility was extended to eligible borrowers as permitted by RBI.
3. Emergency Credit Line Guarantee Scheme and PMSVA Nidhi implemented.
4. Special Loan scheme to SHGs.

New Schemes

Various new products such as Gramin Easy Loan, Agriculture Infrastructure Fund Loan, NABARD sponsored schemes like Wadi and Water Shed Project, Navajeevana scheme under MSME, KGB Suvarna etc. were introduced during the financial year.

TREASURY AND INVESTMENT OPERATIONS

As on March 2021, total Investment of the Bank is at Rs. 6322.66 Crores against Rs.4766.10 Crores during last year. The SLR Investment as on 31.03.2021 is Rs.4409.22 Crores and as on 31.03.2020 it was Rs.3490.31 Crores. The yield on investment of the Bank as on 31.03.2021 is 6.36 % as against 6.97 % last year.

Interest income from investment during FY 2020-21 is Rs.383.77 Crores, while it was Rs.300.30 Crores during 2019-20.

BANCASSURANCE AND CROSS SELLING OF OTHER THIRD-PARTY PRODUCTS

The Bank is offering Life, General and Health Insurance as a Corporate Agent under The Insurance Regulatory and Development Authority of India (IRDAI). The BANCASSURANCE associates of the Bank include:

बीमा श्रेणी	बीमा कंपनी का नाम
जीवन बीमा	(१) भारतीय जीवन बीमा निगम (२) केनरा एचएसबीसी ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
साधारण बीमा	(१) यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (२) न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (३) बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
स्वास्थ्य बीमा	(१) स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

बैंक ने रु. 29.90 करोड़ के कुल प्रीमियम कलेक्शन तक पहुंचने के लिए पिछले वित्तीय वर्ष में एकत्र किए गए प्रीमियम में रु. 11.23 करोड़ की वृद्धि दिखाई। इसने बैंकअश्योरेंस ऑपरेशन से, 3.63 करोड़ रुपये की कमीशन आय अर्जित की, जो पिछले वर्ष की कमाई की 53.81 % वृद्धि है

एमटीएसएस (मनी ट्रांसफर सर्विस स्कीम)

बैंक एनआरआई को तीन टाई-अप के माध्यम से रुपी इनवर्ड प्रेषण सुविधा प्रदान कर रहा है

- 1) वेस्टर्न यूनियन मनी ट्रांसफर
- 2) रिया मनी

संपत्ति की गुणवत्ता

वित्तीय वर्ष 2020-21 विशेष रूप से रिकवरी के मामले में बैंक के लिए बड़ी चुनौतियों का वर्ष रहा।

कोविड-19 महामारी से पूरी अर्थव्यवस्था बिखर गई थी, जिसके परिणामस्वरूप ऋण भुगतान में व्यापक चूक हुई। इन सबका नतीजा यह हुआ कि बैंक का सकल एनपीए 31.03.2020 के 771 करोड़ रुपये से 31.12.2020 तक 1331 करोड़ रुपये की एक बड़ी राशि तक बढ़ गया। 31.03.2021 तक एसएमए के तहत 2458 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि एनपीए में गिर गई। इस प्रकार 01.01.2021 तक बैंक का कुल एनपीए खतरा 3789 करोड़ रुपये था। पूरे हृदय से और ठोस प्रयासों से, बैंक 31.03.2021 तक एनपीए को 674 करोड़ रुपये तक ले आया। पिछले वर्ष की तुलना में एनपीए का आंकड़ा 97 करोड़ रुपये कम था।

पिछले वित्तीय वर्ष में दर्ज 4.30% की तुलना में सकल एनपीए घटकर 3.65% हो गया। पिछले वर्ष के 2.51% के आंकड़े की तुलना में शुद्ध एनपीए 1.41% था। एनपीए के तहत नकद वसूली 709 करोड़ थी। बड़े खाते में डाले गए खातों के तहत 6.30 लाख रुपये की राशि वसूल की गई। बैंक ने विभिन्न निपटान योजनाओं के तहत 105.42 करोड़ रुपये की राशि के 7478 खातों का निपटारा किया था। वर्ष के दौरान कुल 1450 वसूली अदालतें आयोजित की गईं।

हालांकि, सभी चुनौतियों और बाधाओं को पार करते हुए बैंक ने रिकवरी के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिससे एनपीए में काफी कमी आई, जिसके परिणामस्वरूप अंततः बैंक को लाभ में वापस लाया गया। हमारी रिकवरी और कानूनी शाखा ने संपत्ति की गुणवत्ता बनाए रखने और बैंक को लाभ में लाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संपत्ति की गुणवत्ता बनाए रखने और एनपीए को कम करने के लिए बैंक द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण उपाय निम्नलिखित हैं।

- प्रत्येक आरओ म पूरी तरह से वसूली की देखभाल के लिए एक मुख्य प्रबंधक आवंटित किया गया
- प्रगति का मार्गदर्शन और निगरानी करने के लिए आरओ और शाखाओं के साथ गूगल मीट और वीडियो सम्मेलन निरंतर आधार पर आयोजित किए गए।

Category of Insurance	Name of Insurer
Life Insurance	(1) LIC of India (2) Canara HSBC OBC Life Insurance Co Ltd
General Insurance	(1) United India Insurance Co Ltd (2) New India Assurance Co Ltd (3) Bajaj Allianz General Insurance Co Ltd
Health Insurance	(1) Star Health and Allied Insurance Co Ltd

The increase in premium collected has grown up by Rs.11.23 Crores during the financial year and premium collected reached Rs.29.90 Crores. Bank earned commission income of Rs. 3.63 Crores from BANCASSURANCE operations, an increase of 53.81% over the earnings of previous year.

MTSS (Money Transfer Service Scheme)

Bank is providing Rupee inward remittance facilities to NRIs through the two tie-ups:

- (1) Western Union Money Transfer
- (2) Ria money

ASSET QUALITY

Financial year 2020-21 was a year of great challenges for the bank especially in the matter of recovery. The entire economy was shattered by the COVID-19 pandemic which resulted in widespread default of loan repayment. Hon'ble Supreme Court has promulgated an order prohibiting the bank from marking defaulted accounts as NPA. As a result of all these, the Gross NPA of the bank increased from Rs.771 Cr. as on 31.03.2020 to a whopping sum of Rs.1331 crore by 31.12.2020. There was an additional amount of Rs.2458 crore under SMA falling to NPA by 31.03.2021. Thus total NPA threat of the bank as on 01.01.2021 was Rs.3789 crore. By the wholehearted and concerted efforts, Bank could bring down NPA to Rs.674 crore by 31.03.2021. NPA figure was 97 crore lesser as compared to previous year.

Gross NPA reduced to 3.65% as compared to 4.59% recorded in the last financial year. Net NPA was 1.41% as compared to previous year figure of 2.51%. Cash Recovery under NPA amounted to 709 crore. An amount of Rs.6.30 lakh was recovered under written off accounts. Bank had settled 7478 accounts amounting to Rs.105.42 crore under various settlement schemes. Total number of 1450 recovery Adalaths were conducted during the financial year.

Overcoming all the challenges and obstacles the bank made excellent performance under recovery front by reducing NPA considerably, which ultimately resulted in bringing the bank back to profit. Bank's Recovery and Legal Wing played very crucial role in up keeping the quality of assets and bringing the bank into profit.

The following are the important measures taken by the Bank to maintain asset quality and reduce NPA.

- A Chief Manager was allotted to each ROs exclusively for recovery.
- Google meets and Video Conferences were conducted with ROs and branches on an ongoing basis to guide and monitor the progress.

- एनपीए के उच्च स्तर वाली शाखाओं में नियमित रूप से वसूली अदालतें आयोजित की गईं।
- सभी आरओ में साप्ताहिक मेगा अदालतें आयोजित की गईं।
- वसूली अदालतों के लिए एफएम रेडियो और स्थानीय केबल चैनलों के माध्यम से व्यापक प्रचार किया गया।
- वसूली के प्रयासों में मदद करने के लिए मुख्यालय से स्टाफ सदस्य आरओ/शाखाओं में नियुक्त किये गए।
- विभिन्न प्रकार के ऋणों के लिए आकर्षक ओटीएस योजनाएं लागू की गईं और अटके खातों को निपटाने के लिए विभिन्न निपटान योजनाओं का व्यापक प्रचार किया गया।
- बैंक में पहली बार रिकवरी एजेंट नियुक्त किए गए।
- ई-नीलामी की सेवा प्रदान करने के लिए सीसीएसएल के साथ टाइअप किया गया।
- प्रदर्शन की निगरानी के लिए प्रत्येक आरओ में मुख्यालय से एक विंग हेड आवंटित किया गया।

सभी एसएआरएफईएसआई पात्र खातों में एसएआरएफईएसआई नोटिस जारी किए गए थे। कुल 3202 नोटिस जारी किए गए थे। सभी आवश्यक मामलों में वाद और आरआर जैसी वसूली कार्रवाई प्रारंभ की गई थी। आरआर कार्रवाई के तहत 25526 खाते हैं और 10151 खाते दायर किए गए हैं।

बैंक ने 2013-14 से एनपीए का सिस्टम-आधारित वर्गीकरण लागू किया है। आय की पहचान और संपत्ति वर्गीकरण के लिए संपत्ति वर्गीकरण के लिए आरबीआई द्वारा जारी विवेकपूर्ण मानदंडों का कड़ाई से पालन किया जाता है। पारदर्शिता को जोड़ने के लिए बैंक द्वारा एनपीए की प्रणाली पहचान को लागू किया गया है। बैंक एनपीए स्लिपेज और अपग्रेडेशन के दैनिक अंकन का पालन कर रहा है।

2019-20 के लिए परिसंपत्ति वर्गीकरण और प्रावधानीकरण

(करोड़ में रुपये)

श्रेणी	सकल अग्रिम राशि	प्रावधान	प्रावधान के बाद शुद्ध अग्रिम राशि
मानक	17783.27	131.60	17783.27*
उप-मानक	166.26	46.29	119.97
संदिग्ध	329.92	196.69	133.23
नुकसान	177.34	177.01	0.33
कुल	18456.79	419.99[#]	18036.8
शुद्ध प्रावधान / एनपीए	253.53		

स्टैंडर्ड एसेट्स के प्रावधान को छोड़कर

(Net of IBPC, ₹.1110 Cr)*

जोखिम प्रबंधन और अनुपालन

बैंक के पास जोखिमों के समग्र स्तर की पहचान, माप, निगरानी, नियंत्रण और उसे कम करने के लिए एक व्यापक जोखिम प्रबंधन/माप दृष्टिकोण है। बैंक ने क्रेडिट रिस्क, ऑपरेशनल रिस्क, कंप्लायंस रिस्क, इनवेस्टमेंट रिस्क, एसेट लाइबिलिटी मैनेजमेंट, फ्रॉड रिस्क, आदि पर विभिन्न बोर्ड द्वारा स्वीकृत रिस्क मैनेजमेंट पॉलिसीज को स्थान में रखा है। नीतियां व्यापक व्यापार रणनीतियों, पूंजी संख्या, प्रबंधन विशेषज्ञता और जोखिम को स्वीकार करने की समग्र स्वेच्छा के अनुरूप हैं। अच्छी तरह से परिभाषित दिशानिर्देश और मापदंडों का उपयोग विवेकपूर्ण / जोखिम सीमाओं की संरचना सहित जोखिम को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। केरल ग्रामीण बैंक जोखिम प्रबंधन के लिए पर्याप्त महत्व पर जोर देता है और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स > अध्यक्ष> महाप्रबंधक (बैंक का रिस्क ऑफिसर)> जोखिम प्रबंधन विंग> विभिन्न विंग में मुख्य प्रबंधक/क्षेत्रीय कार्यालय में क्षेत्रीय प्रबंधकों> शाखा प्रबंधक के आर्किटेक्चर के साथ एक अलग जोखिम प्रबंधन विंग है। जोखिम प्रबंधन विंग फ्रेमवर्क परिचालन विभागों से स्वतंत्र कार्य कर रहा है और जोखिम प्रबंधन के लिए जिम्मेदारी के स्तरों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करता है।

- Recovery adalaths were conducted regularly at branches having high level of NPA.
- Weekly Mega adalaths conducted at all ROs.
- Wide publicity given through FM radio and local cable channels for recovery adalaths.
- Staff members from HO deputed to ROs/branches to help them in recovery efforts.
- Attractive OTS schemes for various types of loans were implemented and wide publicity given to various settlement schemes to settle sticky accounts.
- Recovery agents were appointed for the first time in the bank.
- Tie up established with CCSL for providing E-auction service.
- ROs were allotted with a wing head from HO for monitoring the performance.

SARFAESI notices issued in all eligible accounts. Recovery actions such as suit and RR initiated in all required cases. There are 25526 accounts under RR action and 10151 accounts are suit filed & a total of 3202 notices were issued under SARFAESI eligible accounts.

The Bank has implemented system-based classification of NPA since 2013-14. The prudential norms issued by RBI for asset classification are strictly adhered to, for income recognition and asset classification. Bank is following daily marking of NPA slippage & upgradation.

ASSET CLASSIFICATION AND PROVISIONING FOR 2020– 21 (₹ . in Crore)

Category	Gross Advance	Provision	Net advance after provision
STANDARD	17783.27	131.60	17783.27*
SUB-STANDARD	166.26	46.29	119.97
DOUBTFUL	329.92	196.69	133.23
LOSS	177.34	177.01	0.33
TOTAL	18456.79	419.99[#]	18036.8
NET NPA	253.53		

excluding provision of Standard Assets

(Net of IBPC, ₹.NIL Cr)*

RISK MANAGEMENT & COMPLIANCE

Kerala Gramin Bank emphasizes considerable significance to Risk Management and there is a separate Risk Management Wing with an architecture of Board of Directors > Chairman > General Manager (Risk Officer of the Bank) > Risk Management Wing > Chief Managers of various Wings/Regional Managers at Regional Offices > Branch Managers. The Risk Management Wing Framework is functioning independent of Operational Departments and with clear delineation of levels of responsibility for management of risk.



बैंक ने केवाईसी नॉर्म, डिपॉजिट्स, ग्राहक सेवा, क्रेडिट रिव्यू और मॉनिटरिंग, वसूली, एसेट लायबिलिटी मैनेजमेंट, निवेश, सीवीसी दिशानिर्देश, आईटी सिक्वोरिटी, व्यापार निरंतरता योजना, आपदा रिकवरी प्रबंधन, सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा, आंतरिक निरीक्षण, बैंकिंग सेवाओं की आउटसोर्सिंग, साइबर सिक्वोरिटी आदि पर निदेशक मंडल की मंजूरी के साथ विभिन्न कॉर्पोरेट प्रशासन नीतियां बनायी हैं। नीतियां नियामक ढांचे, व्यापक व्यावसायिक रणनीतियों, पूंजी संख्या, प्रबंधन विशेषज्ञता और जोखिम उठाने के लिए समग्र स्वेच्छा के अनुरूप हैं और समय-समय पर समीक्षा/संशोधन के अधीन है।

विभिन्न प्रणालियों और प्रक्रियाओं के अनुपालन और एकीकरण को सुनिश्चित करने के लिए, महाप्रबंधक के रैंक में एक कार्यकारी बैंक के मुख्य अनुपालन अधिकारी (सीसीओ) के रूप में कार्य करता है, जो विभिन्न वैधानिक निर्देशों के कार्यान्वयन और अनुपालन के लिए जिम्मेदार है, विभिन्न अनुपालन कार्यों और जोखिम प्रबंधन पहलुओं का पालन करता हैं और उच्च अधिकारियों और नियामकों को रिपोर्ट करते हैं। बैंकों ने साइबर सुरक्षा नीति को लागू किया है जो व्यापार की जटिलता और जोखिम के स्वीकार्य स्तर को देखते हुए साइबर खतरों से निपटने के लिए एक उपयुक्त दृष्टिकोण वाली रणनीति का वर्णन करती है, जो हमारे बोर्ड द्वारा विधिवत रूप से स्वीकृत है।

बैंक ने मजबूत प्रणालियों और प्रक्रियाओं को लागू करने, आंतरिक कामकाज के लिए परिचालन मैनुअल आरंभ करने और एक सिस्टम को समय-समय पर अद्यतन करने पर ध्यान रखा है।

अपने ग्राहक को जाने (केवाईसी)

बैंक ने पहले ही अपने ग्राहक को जानने की प्रक्रिया (केवाईसी) और एंटी मनी लॉन्ड्रिंग (एएमएल) दिशानिर्देशों के प्रभावी कार्यान्वयन और सभी शाखाओं द्वारा केवाईसी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय शुरू कर दिए हैं। सभी शाखाओं को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी किए जाते हैं कि सभी खाताधारकों का केवाईसी विवरण प्राप्त हो और सिस्टम में ठीक से अपडेट हो। सार्वजनिक नोटिस / एसएमएस के माध्यम से ग्राहकों के बीच जागरूकता उत्पन्न करने के लिए कदम उठाए गए थे और समय पर केवाईसी विवरण प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। जोखिम धोखाधड़ी, दस्तावेज जालसाजी को कम करने के लिए यूआईडीआई ने ई-केवाईसी सेवाएं शुरू की हैं। बैंक ने पेपरलेस केवाईसी सत्यापन के लिए ई-केवाईसी सेवाओं को शाखाओं में कार्यान्वित किया है। ई-केवाईसी सुविधा का उपयोग करके खाते खोलने के लिए शाखाओं में बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के लिए उपकरण लगाए गए हैं। सेंट्रल केवाईसी रजिस्ट्री में ग्राहकों का केवाईसी विवरण अपलोड करने के लिए बैंक ने सीईआरएसआई के साथ नामांकन किया है। शाखाओं ने ग्राहकों के केवाईसी विवरण को दैनिक आधार पर सीकेवाईसी रजिस्ट्री में अपलोड करना शुरू कर दिया है।

एंटी मनी लॉन्ड्रिंग (एएमएल)

जनवरी 2017 से बैंक पूरी तरह से परिचालित एएमएल सॉफ्टवेयर (इंटेलेक्ट डिज़ाइन द्वारा पैनासिया) का उपयोग कर रही है। फाइनेंसियल इंटेलिजेंस यूनिट (एफआईयू-इंडिया) के लिए सभी चार अनिवार्य रिपोर्टें, अर्थात क) कैश ट्रांसक्शन रिपोर्ट (सीटीआर), ख) नॉन-प्रॉफिट आर्गनाइजेशन ट्रांसक्शन रिपोर्ट (एनटीआर), ग) सस्पेंडिथस ट्रांसक्शन रिपोर्ट (एसटीआर) और घ) कॉउंटरफिट करंसी रिपोर्ट (सीसीआर) एएमएल सॉफ्टवेयर के माध्यम से उत्पन्न / संसाधित की जाती है और प्रत्येक रिपोर्ट के लिए उनके द्वारा निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर ऑनलाइन एफआईयू-इंडिया को प्रस्तुत की जाती है। लेन-देन की निगरानी के लिए और एफआईयू-इंडिया को संदिग्ध प्रकृति में होने वाले लेनदेन की रिपोर्ट करने के लिए और साथ ही विभिन्न जांच उद्देश्यों के लिए आवश्यकता के अनुसार डेटा प्रदान करने के लिए देश में विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय करने के लिए भी बैंक के एएमएल सेल में एक पूर्ण टीम काम कर रही है। बैंक ने आरबीआई को शाखाओं में पहचानी गई नकली मुद्रा के विवरण की भी रिपोर्ट की है और एनसीआरबी के वेब-सक्षम सॉफ्टवेयर में विवरण भी अपलोड कर रही हैं।

The Bank has a comprehensive risk management/measurement approach to identify, measure, monitor, control and mitigate the overall level of risks undertaken. The Bank has put in place various Board approved Risk Management Policies on Credit Risk, Operational Risk, Compliance Risk, Investment Risk, Asset Liability Management, Fraud Risk, etc. The policies are consistent with the broader business strategies, capital strength, management expertise and overall willingness to assume risk. Well defined guidelines and parameters are used to govern risk taking including structure of prudential/exposure limits.

The Bank has put in place various Corporate Governance Policies with the approval of the Board of Directors on KYC Norms, Deposits, Customer Service, Credit Review & Monitoring, Recovery, Asset Liability Management, Investment, CVC Guidelines, IT Security, Business continuity Planning, Security and Fire Safety, Internal Inspection, Outsourcing of Banking Services, Cyber Security etc. The policies are consistent with the regulatory framework, broader business strategies, capital strength, management expertise and overall willingness to assume risk and is subject to review/modification from time to time.

In order to ensure the compliance and integration of various systems and procedures, an Executive in the rank of General Manager acts as the Chief Compliance Officer (CCO) of the Bank, who is responsible for implementation and compliance of various statutory instructions, adherence to various compliance functions and risk management aspects and reports to higher authorities and regulators. Bank has put in place a cyber-security policy elucidating the strategy containing an appropriate approach to combat cyber threats given the level of complexity of business and acceptable levels of risk, duly approved by our Board.

The Bank takes care to implement robust systems and procedures, introduce operational manual for internal working and a system to update the same from time to time.

KNOW YOUR CUSTOMER (KYC)

The bank has already initiated several measures for the effective implementation of Know Your Customer (KYC) and Anti-Money Laundering (AML) guidelines by all branches. Instructions are issued to all branches to ensure that the KYC details of all account holders are obtained and properly updated in the system. Steps were taken to create awareness among the customers through Public notices/ SMS requesting them to submit the KYC details in time. For reducing the risk of fraud, document forgery etc. UIDAI has launched e-KYC services. The bank has implemented e-KYC services in the branches for the paperless KYC verification. The devices for biometric authentication is installed in the branches for opening accounts using e-KYC facility. The Bank has also enrolled with CERSAI to upload the KYC details of customers to Central KYC Registry. The branches are uploading the KYC details of customers to CKYC Registry on daily basis.

ANTI MONEY LAUNDERING (AML)

The Bank is using fully operational AML Software (Panacea by Intellect Design) from January 2017 onwards. All the four mandatory reports to Financial Intelligence Unit (FIU-India) viz, a) Cash Transaction Report (CTR), b) Non-Profit Organization Transaction Report (NTR), c) Suspicious Transaction Report (STR) and d) Counterfeit Currency Report (CCR) are generated/processed through AML Software and submitted to FIU-India within the time limit specified by them for each report. A full-fledged team is working in the AML cell of the bank for monitoring the transactions and report the transactions which are in suspicious nature to FIU-India and also to

वित्तीयसमावेशन

वित्तीय समावेशन सरकारके साथ-साथ बैंककी प्राथमिकताओं में बना हुआ है। बैंकिंग सेवाओं से मना समाज के निचले स्तर तक पहुंचने के लिए बैंक ने कई नवीन गतिविधियां प्रारंभ की हैं। वित्तीय समावेशन और वित्तीय साक्षरता के लिए विभिन्न एजेंसियों के साथ निकटता बैंक से जुड़ा हुआ है और केरल राज्य में वित्तीय समावेशन अभियान में सबसे आगे रहा है। वित्तीय संस्थान प्रकोष्ठ द्वारा क्रियान्वित और निगरानी की जाने वाली विभिन्न योजनाओं का विवरण नीचे दिया गया है।

पी एम जे डी वाई

भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) समाज के बहिष्कृत वर्गों के लिए बुनियादी बचत खाते की उपलब्धता, आवश्यकता आधारित क्रेडिट, प्रेषण सुविधा, बीमा और पेंशन जैसी विभिन्न वित्तीय सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करती है। मिशन के तहत खोलें गए खाते प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) कार्यक्रमों को प्रोत्साहन देते हैं। बैंक ने पीएमजेडीवाई के तहत 10 लाख से अधिक खाते खोले हैं, जिनमें 643.72 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी शेष है। पीएमजेडीवाई में वर्तमान स्थिति नीचे दी गई है।

पी एम जे डी वाई यथावत 31-03-2021	
खोले गए खातों की संख्या	1066073
जिसमें से आधार सीडिंग पूरी हुई	1047179
रुपे कार्ड जारी	431290
जमा राशि जुटाई	64372.08 Lakh
शून्य शेष खाते	68294

टैबलेट बैंकिंग

टैबलेट बैंकिंग हमारे बैंक द्वारा लास्ट माइल ग्राहकों तक बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार करने के लिए शुरू किया गया एक चैनल है। टैबलेट एंड्रॉइड प्लेटफॉर्म में एक मोबाइल डिवाइस है जो वास्तविक समय में बुनियादी बैंकिंग लेनदेन जैसे नकद निकासी, नकद जमा, फंड ट्रांसफर, बैलेंस पूछताछ, मिनी स्टेटमेंट आदि करने में सक्षम है। डिवाइस हमारे सीबीएस के साथ जीएसएम/वाई-फाई डेटा कनेक्शन के माध्यम से संचार करता है।

टैबलेट डिवाइस आधार प्रमाणीकरण का उपयोग करके लेनदेन के आईपीएस मोड पर काम करता है। लेनदेन की सीमा निर्धारित रु. 10000/- प्रति ग्राहक प्रति दिन। बैंक जरूरतों और नियामक अनुपालन के अनुरूप समय-समय पर लेनदेन की सीमा में संशोधन करता है।

बैंक ने सितंबर 2020 में मेसर्स विजन इंडिया एक्सपोर्ट्स लिमिटेड को कॉर्पोरेट बिजनेस कॉर्रेस्पोंडेंट के रूप में नियुक्त किया है और टैबलेट एजेंटों ने अक्टूबर, 2020 से एजेंसी के तहत काम करना शुरू कर दिया है। वर्तमान में बैंक के पास राज्य भर में 17 टैबलेट एजेंट काम कर रहे हैं।

coordinate with different law enforcement agencies in the country for providing the data as per their requirement for various investigation purposes. The bank is also reporting the details of Counterfeit Currency identified in the branches to RBI and is uploading the details to the web-enabled software of NCRB.

FINANCIAL INCLUSION

Financial Inclusion continues to be among the priorities of the Government as well as the Bank. Bank has rolled out many innovative activities to reach out to the bottom layer of the society who are deprived of banking services. Bank is closely associated with various agencies for financial inclusion and financial literacy and has been in the forefront of financial inclusion drive in the state of Kerala. Details of various Schemes implemented and monitored by FI Cell is furnished below.

PMJDY

Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY) launched by GoI ensure access to various financial services like availability of basic savings account, need based credit, remittance facility, insurance and pension to the excluded sections of the society. The accounts opened under the mission give an impetus to the Direct Benefit Transfer (DBT) programmes.

Bank has opened more than 10 lakh accounts under PMJDY with cash balance of more than Rs. 643.72 Crore. The present position in PMJDY is furnished below.

PMJDY as on 31-03-2021	
No of Accounts opened	1066073
Aadhaar seeding	1047179
RuPay cards Issued	431290
Deposit Mobilized	64372.08 Lakh
Nil Balance Accounts	68294

TABLET BANKING

Tablet Banking is a channel introduced by our bank in order to extend banking facilities to the last mile customers. The Tablet is a mobile device in Android platform capable of carrying out basic banking transaction like cash withdrawal, cash deposit, fund transfer, balance enquiry, mini statement etc. in real time. The device communicates with our CBS through a GSM/Wi-Fi data connection.

The tablet device works on AePS mode of transaction using Aadhaar authentication. The transaction limit fixed is Rs. 10000/- per customer per day. Bank revises the transaction limit periodically to suit the needs and regulatory compliance.

Bank has appointed M/s Vision India Exports Limited as the corporate Business Correspondent in September 2020 and the tablet agents have started functioning under the agency from October, 2020. At present bank has 17 tablet agents working across the state.

बैंकिंग प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन के लिए मोबाइल वैन

ग्रामीण गांवों और राज्य के अन्य दूरदराज के कोनों में आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए, हमारे बैंक ने मोबाइल एटीएम वैन खरीदने और एटीएम के उपयोग के प्रदर्शन के लिए ऐसे स्थानों पर जाने की परियोजना शुरू की है।

वर्तमान में बैंक के पास 10 मोबाइल एटीएम वैन हैं, जिनमें से 7 वैन पिछले वित्तीय वर्ष (2020-21) के दौरान लागू की गई थीं। वित्तीय समावेशन कोष (एफआईएफ) के तहत नाबार्ड की वित्तीय सहायता से मोबाइल एटीएम परियोजना को मंजूरी दी गई है। नाबार्ड द्वारा प्रस्तावित वाहनों को राज्य के सभी 14 जिलों में मैप किया गया है। वाहनों की कस्टडी और उसके रखरखाव की देखभाल संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा की जाती है।

वैन वित्तीय साक्षरता सामग्री जैसे ब्रोशर भी वितरित कर रही हैं और पोस्टर आदि लेकर वित्तीय समावेशन का संदेश भी पहुंचा रही हैं। . दृश्य-श्रव्य साधनों को भी स्थानों पर पहुंचाया जाता है और वित्तीय समावेशन और वित्तीय साक्षरता के संदेश को फैलाने के लिए उपयुक्त प्रदर्शन और प्रदर्शनियाँ की जाती हैं।

सामाजिक सुरक्षा योजनाएं:

बैंक ने भारत सरकार द्वारा शुरू की गई सामाजिक सुरक्षा योजनाओं अर्थात् प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के प्रचार में सक्रिय रूप से भाग लिया है। हम इस योजना के तहत अधिक से अधिक ग्राहकों को नामांकित करना जारी रखते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि ग्राहक समय पर अपनी नीतियों का नवीनीकरण करें। हमें पीएमजेजेबीवाई के तहत ९४% और पीएमएसबीवाई के तहत ९५% की नवीकरण दर मिली है। 31/03/2021 को योजनाओं के तहत नामांकन का विवरण नीचे दिया गया है।

योजना	वित्तवर्षकेदौरान 2020-21	बकायाकेरूपमें 31/03/2021
ए पी वाई	15777	105794
पी एम जे जे बी वाई	10969	125761
पी एम एस बी वाई	55458	571297

ए पी वाई नामांकन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पीएफआरडीए से प्राप्त पुरस्कार

- बुधवार विजय के अद्भुत-योद्धा, नवंबर 2020
- बुधवार विजय के अद्भुत-योद्धा,, फरवरी 2021

MOBILE VAN FOR DEMONSTRATION OF BANKING TECHNOLOGY

With a view to create awareness among common public in rural villages and other remote corners of the State, our bank has undertaken the project of procuring Mobile ATM Van and visiting such places for demonstration of usage of ATMs.

Currently bank has 10 mobile ATM Vans, of which 7 vans were implemented during the last financial year (2020-21). The Mobile ATM project has been sanctioned with financial assistance from NABARD under Financial Inclusion Fund (FIF). The vehicles as proposed by NABARD are mapped to all the 14 districts in the state. The custody of the vehicles and its upkeep is looked after by the concerned regional office.

The vans are also distributing the financial literacy materials such as brochures and also delivering the message of financial inclusion by carrying posters etc. Audio visual aids are also transported to the places and suitable demonstrations and exhibitions are undertaken for spreading the message of financial inclusion and financial literacy.

SOCIAL SECURITY SCHEMES:

Bank has actively participated in propagating the Social Security Schemes schemes rolled out by the Government of India namely, Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana (PMJJBY), Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana (PMSBY) and Atal Pension Yojana (APY). We continue to enroll more and more customers under the scheme and ensured that the customers renewed their policies in time. We have got a renewal rate of 94% under PMJJBY and 95% under PMSBY. The details of enrollments under the schemes as on 31/03/2021 are furnished below.

Scheme	During the FY 2020-2021	Outstanding as on 31/03/2021
APY	15777	105794
PMJJBY	10969	125761
PMSBY	55458	571297

Awards received from PFRDA for outstanding performance in APY enrolments

- Wondrous Warriors of Winning Wednesday, November 2020
- Wondrous Warriors of Winning Wednesday, February 2021